

देवों के देव है ये महादेव कहलाते है भजन लिरिक्स



सबको अमृत बांटे,
खुद विष पि जाते है,
देवों के देव है ये,
महादेव कहलाते है।

तर्ज - जो राम को लाए है।

ये औघड़ दानी है,
संग मात भवानी है,
दुनिया दीवानी है,
ये डमरू बजाते है,
देवों के देव है ये,
महादेव कहलाते है।

माथे पर है चंदा,
और जटा में है गंगा,
कटे चौरासी फंदा,
जो इनका ध्यान लगाते है,
देवों के देव है ये,
महादेव कहलाते है।

गले सर्पों की माला,
तन पे है मृगछाला,
पि के भंग का प्याला,
ये भस्म रमाते है,
देवों के देव है ये,
महादेव कहलाते है।

शिव शंकर भोलेनाथ,
रख दो मेरे सिर पे हाथ,
दे दो 'वशिष्ठ' का साथ,
हम तुम्हे मनाते है,
देवों के देव है ये,
महादेव कहलाते है।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सबको अमृत बांटे,
खुद विष पि जाते है,
देवों के देव है ये,
महादेव कहलाते है।

Singer – Ram Kumar Lakha
